पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बरेली स्थित दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 162 ■ सोमवार 15 सितंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर भाजपा मंडल-2 की कार्यकारिणी घोषित

उल्हासनगर। उल्हासनगर भाजपा जिला मुख्यालय में रविवार 14 सितंबर को भाजपा मंडल-2 का कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जहां जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया द्वारा कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र देकर उन्हें आगामी चुनाव की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता व महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजेश वधरिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा को मजबूत करने और संगठन का जमीनी तौर पर कार्य करने का संकल्प भी लिया। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष महेश सुखरामानी, प्रदीप रामचंदानी, महासचिव विनोद गोवानी, दीपक छतलानी, अर्चना कर्णकाले, लकी नाथानी, होमनारायण वर्मा, लीलाधर भावसार, विशाल खंडारे, मंडल अध्यक्ष रामप्रवेश यादव, अरविंद मिश्रा, विकी इसरानी आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग में बड़ा भ्रष्टाचार उजागर

- बड़े ठेकेदारों को पहुंचाया जा रहा फायदा
- छोटे ठेकेदारों ने बगावत का बिगुल बजाया
- 11 शौचालय की मरम्मत का निकला टेंडर
- बड़े ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने वाले शर्तों पर निकला टेंडर

■ क्लब टेंडरिंग का मामला पहुंचा मुंबई हाईकोर्ट

उल्हासनगर. भ्रष्टाचार के मुख्यालय उल्हासनगर महानगरपालिका में एक और बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। हमेशा से ही छोटे व बड़े ठेकों को बड़े ठेकेदारों को देकर बड़ा भ्रष्टाचार किया जाता है ताकि शहर विकास के बजाय अधिकारियों व बड़े ठेकेदारों का ही विकास हो लेकिन इस क्लब टेंडरिंग के विरुद्ध अब छोटे ठेकेदारों ने बगावत का बिगुल बजाया और इस भ्रष्टाचार के खिलाफ मुंबई हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जिसमें यह बताया गया है कि मनपा में जितने भी ठेके निकलते हैं उन्हें बड़े अधिकारी बड़े ठेकेदारों के मुताबिक ही बनाते हैं ताकि छोटा ठेकेदार उसे भरने में सक्षम ही नहीं हो सके। इस तरह का बड़ा भ्रष्टाचार मनपा के स्वास्थ्य विभाग में उजागर हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर मनपा के स्वास्थ्य विभाग में 20 अगस्त को शहर के 11 शौचालयों के मरम्मत का ठेका क्लब टेंडरिंग के तहत निकाला गया। शर्त अनुसार स्पॉट पर ठेकेदार द्वारा फोटो निकालकर और मनपा के सुपुर्द करेगा और उसे ठेके के साथ जोड़कर देना है। 8 सितंबर तक ठेका भरना था। इस टेंडर में छोटे ठेकेदारों ने पक्षपात का आरोप लगाया है। ठेकेदारों का कहना है कि 2 सितंबर को फोटो निकाला और 3 सितंबर को जब मनपा अधिकारियों को फोटो सुपुर्द किया गया तो उन्होंने कहा कि मनपा का कोई भी प्रतिनिधि मौजूद नहीं है और ऐसी कई शर्तें बताई जो उपलब्ध नहीं है। केवल दिखावे के लिए छोटे ठेकेदारों को मौका दिया जाता है ताकि बाद में उन्हें हटाया जा सके। शौचालय के मरम्मत का कार्य बांधकाम विभाग का है ना कि स्वास्थ्य विभाग का। 11 टेंडर को एकत्रित कर क्लब टेंडिंग की आड़ में बड़े भ्रष्टाचार के तहत यह कार्य हो रहा है। 25 अगस्त को इस बाबत ठेकेदारों की बैठक में भी कोई सुनवाई नहीं हुई और अब यह मामला मुंबई हाईकोर्ट तक चला गया है। अब देखना है कि हर ठेके में भ्रष्टाचार करने के बाद क्या इस बार फिरसे क्लब टेंडरिंग के तहत एक और भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया जाएगा। यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

प्रशासन की उपेक्षा, खस्ताहाल सड़कें

- गड्ढों के खिलाफ मनसे आक्रामक
- रिक्शा चालकों का ज़बरदस्त समर्थन

उल्हास विकास संवाददाता

उल्हासनगर. उल्हासनगर में जानलेवा गड्ढों से आहत जनता की ओर से आखिरकार महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना सड़कों पर उतर आई और मनपा प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। डी-मार्ट से खेमानी रोड समेत शहर की सड़कें पूरी तरह बह जाने के बाद, मनसे ने धरना शुरू किया। इस विरोध प्रदर्शन को पीड़ित रिक्शा चालकों का भरपूर समर्थन मिलने से पूरा इलाका नारों से गूंज उठा और प्रशासन की लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई।

उल्हासनगर शहर की सड़कों की खस्ता हालत और नगर निगम की निष्क्रियता के खिलाफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने धरना देकर प्रशासन को जगाने की कोशिश की। हालाँकि मनपा प्रशासन ने पिछले कुछ दिनों में मैस्टिक डामर डालकर सड़कों के गड्ढे भरने का दावा किया है, लेकिन हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। शहर की ज़्यादातर सड़कें अभी भी गड्ढों से भरी हैं। खासकर डी-मार्ट से खेमानी रोड तक की सड़क पूरी तरह खोद दी गई है, जिससे नागरिकों का सफ़र ख़तरनाक हो गया है।

गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं. इस वजह से आम नागरिकों को हर दिन जान का ख़तरा बना रहता है। रिक्शा चालक गड्ढों से सबसे ज़्यादा प्रभावित होते हैं। उनके वाहनों के ज़रूरी पुर्जे गड्ढों के कारण लगातार खराब हो रहे हैं, और उनकी मामूली कमाई का एक बड़ा हिस्सा मरम्मत पर खर्च हो रहा है। इस ज्वलंत मुद्दे की ओर मनपा का ध्यान आकर्षित करने के लिए बड़ी संख्या में रिक्शा चालकों ने मनसे आंदोलन का समर्थन किया।

बुरी संगति के चलते आतंकवाद की राह पकड़ी

उल्हासनगर. दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उल्हासनगर के हिललाइन थाना क्षेत्र के नेवाली इलाके में रहने वाले आफताब कुरैशी और सूफियान अबू बकर को गिरफ्तार किया है और इस गिरफ्तारी के बाद चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। आफताब ने अपने पिता के कारोबार, घर में तनाव, मोबाइल फोन पर चरमपंथी वीडियो और बुरी संगति के चलते आतंकवाद की राह पकड़ी, इसकी तस्वीर अब साफ हो रही है।

उल्हासनगर के हिललाइन थाना क्षेत्र के नेवाली इलाके से आतंकवादियों के तार जुड़े होने की खबर से शहर थर्रा उठा है। यहीं रहने वाले आफताब कुरैशी और सूफियान अबू बकर को दिल्ली पुलिस ने एक विशेष अभियान के दौरान गिरफ्तार किया है। इस घटना के बाद देश का सुरक्षा तंत्र और सतर्क हो गया है और उल्हासनगर पुलिस ने भी जांच तेज कर दी है।

आफताब अपने परिवार के साथ नेवाली में रहता था। उसके पिता का मटन बेचने का कारोबार है और परिवार साधारण परिस्थितियों में रहता है. सूत्रों के अनुसार, आफताब अपने मोबाइल फोन पर चरमपंथी संगठनों के वीडियो देखता था और धीरे-धीरे उनके संपर्क में आया। इसी गलत रास्ते के कारण वह सूफियान अबू बकर की संगति में आ गया।

आफताब के पिता ने इस घटना पर भावुक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आफताब जाते समय मेरे आठ हज़ार रुपये भी ले गया। मैंने उसे रोकने के लिए चिल्लाया, कहा कि अपने काम से काम रखे, उस लड़के के साथ मत जाए; लेकिन वह घर छोड़ने पर अड़ा रहा।'

उन्होंने आगे कहा, 'दिल्ली पुलिस ने हमारे घर की तलाशी ली; लेकिन उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। मुझे नहीं पता कि आफताब ने यह रास्ता कैसे अपनाया।'

इस मामले ने एक बार फिर उल्हासनगर इलाके में अशांति फैला दी है। ठीक 10 साल पहले, यानी 10 सितंबर, 2014 को कल्याण के चार युवक ISIS में शामिल हुए थे और उसी दिन, 10 सितंबर, 2025 को नेवाली इलाके के इन दो युवकों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया। इस चौंकाने वाली समानता के कारण सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पुलिस अपनी जांच जारी रखे हुए है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नेवाली में रहने वाले ये युवक आतंकवादी संगठनों के संपर्क में कैसे आए, इसके पीछे कौन है और उनके अन्य साथी कहां हैं।

आतंकी कनेक्शन के बाद पुलिस एक्शन मोड पर

उल्हासनगर. दिल्ली में हुई आतंकी गिरफ्तारी के तार उल्हासनगर में मिलने के बाद, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने पहल करते हुए ज़ोन 4 के सभी आठ पुलिस थानों को अलर्ट रहने का आदेश दिया और स्पष्ट किया कि किरायेदार रखते समय नागरिकों को पुलिस को सूचित करना अनिवार्य है। दिल्ली में दो आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद, उल्हासनगर में उनके नेवाली कनेक्शन का खुलासा होने के बाद, उल्हासनगर पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने यह सख्त चेतावनी दी है कि 'किरायेदार रखते समय सावधान रहें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई का सामना करें!'

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से दो आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद, यह स्पष्ट हो गया कि उनके तार उल्हासनगर के नेवाली इलाके से जुड़े थे। उपायुक्त गोरे ने ज़ोन-4 के सभी आठ पुलिस थानों के अधिकारियों को नागरिकों को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं।

भारत-पाक मैच का विरोध

- शिवाजी चौक पर किया गया प्रदर्शन
- भाजपा व पाकिस्तान के विरुद्ध की गई नारेबाजी
- पाकिस्तानी झंडा फाड़ा गया
- शिवसेना और मनसे एक साथ देखे गए

उल्हासनगर. पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के दौरान शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे समूह और मनसे ने आज उल्हासनगर में भाजपा और पाकिस्तान के खिलाफ दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के मैच के विरोध में एक आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उल्हासनगर 3 स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर किया गया। यह विरोध प्रदर्शन पहलगाम हमले में भारतीय नागरिकों और सैनिकों के बलिदान और भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ समझौते, जल और व्यापार निलंबित करने के बावजूद एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच खेले जाने के विरोध में किया गया था। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए पाकिस्तानी झंडा फाड़ा और पाकिस्तान विरोधी और भाजपा सरकार विरोधी नारे लगाए। गौरतलब है कि इस विरोध प्रदर्शन में शिवसेना और मनसे कार्यकर्ता एक साथ देखे गए। कार्यकर्ताओं ने ₹शिवसेना-मनसे गठबंधन की जीत हो₹ जैसे नारे लगाकर एकता का संदेश दिया। इस विरोध प्रदर्शन में स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी और कुछ देर के लिए इलाके में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने उचित एहतियात बरतते हुए प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की।

महावितरण की मनमानी बढ़ी

- कई घंटों तक बार-बार लाइट गुल
- लोग परेशान
- महावितरण 24 घंटे के लिए कम्प्लेंट नंबर जारी करे

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गत कई दिनों से बिजली के बार-बार गुल होने की शिकायतें हैं. एक-दो घंटे के लिए बिजली चली जाए तो उपभोक्ता शिकायत नहीं करते हैं, लेकिन 5 से 10 घंटे तक बिजली के चले जाने से शहर की जनता परेशान है.

दो दिनों पूर्व ही शहर पश्चिम में अचानक बिजली को बंद कर दिया गया. रात में भी बिजली चालू नहीं होने से निवासी के साथ दुकानदार भी परेशान हुए. पूर्व सूचना दिए बिना ही महावितरण द्वारा बिजली को बार-बार बंद कर रहा है. उपभोक्ताओं को ये तक नहीं बताया जाता है कि लाइट क्यों गई है और लाइट कब तक आएगी. महावितरण बिजली का बिल अगर कोई नहीं भरता है तो उसे बार-बार एसएमएस करके लाइट बिल भरने के लिए कहा जाता है. बिल नहीं भरा गया तो महावितरण के कर्मचारी लाइट कट करने पहुंच जाते हैं. इसी प्रकार लाइट चले जाने के बाद तुरंद महावितरण को ये प्रबंध करना चाहिए कि लोगों को एसएमएस करके बताए कि लाइट क्यों गई है और कब तक लाइट आएगी. उपभोक्ताओं को ये भी कहना है कि महावितरण ने एक ऐसी शिकायती मोबाइल नंबर जारी करे जो 24 घंटा शुरू रहे, जिस पर लोग अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें. हमारे पास महावितरण ने एक मोबाइल नंबर दिया था लेकिन ये मोबाइल कोई उठाता नहीं है. कोई महावितरण का कर्मचारी उठाता भी है तो बोलता है यहां इन्क्वायरी मत करो. महावितरण अब लोगों को अंधेरे में रखना बंद करे.

नवजात शिशु को छोड़कर मां फरार

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के भास्करनगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक अज्ञात मां घर के दरवाजे पर एक नवजात शिशु को छोड़कर फरार हो गई है। सुबह-सुबह हुई इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। खासकर चूंकि यह उसी इलाके में दूसरी ऐसी घटना है, इसलिए इलाके में दहशत का माहौल है। शनिवार की सुबह, निवासियों ने एक घर से बच्चे के रोने की आवाज सुनकर जांच की। उस समय, एक नवजात शिशु एक प्लास्टिक की थैली में पाया गया, उन्होंने तुरंत समाजसेविका रुकया शेख गांगा को सूचित किया। रुकया शेख मौके पर पहुंची और बच्चे को अंबरनाथ सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया. नवजात को आगे के इलाज के लिए उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

अंबरनाथ के तहसीलदार ने आदिवासी को दम दिया

- वीडियो वायरल, जिलाधिकारी से जांच करने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ के तहसीलदार गत कई दिनों से विवादों के घेरे में है. तहसीलदार अमित पुरी का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह एक आदिवासी को दमदाटी करते देखे जा रहे हैं. वह आदिवासी ठीक ढंग से बात भी नहीं कर रहे हैं. ये वीडियो मार्च 2025 का है. इसका खुलासा तहसीलदार द्वारा किए जाने पर भी शहर में इस बात की चर्चा है कि क्या वह इस खुलासे से बच जाएंगे. आदिवासी महेश कोते ने ये वीडियो रिकार्ड करके आखिर परेशान होकर 6 महिने के बात उसने ये वीडियो वायरल कर दिया कि तहसीलदार द्वारा उन्हें दिया गया दम लोगों के सामने आ सके. उनकी जमीन के सिलसिले में उन्होंने तहसीलदार से न्याय मांगा था. जबकि तहसीलदार अमित पुरी का कहना है कि ये 6 महिने पहले का वीडियो है, तो क्या उनके इस खुलासे से ये बात सिद्ध हो जाती है कि उन्होंने कोते के साथ गलत बर्ताव नहीं किया है. तहसीलदार का ये भी कहना है कि इन 6 महिने में कोते ने उनसे किसी किस्म की लिखित अथवा जबानी शिकायत भी नहीं की है. अमित पुरी के बारे में पत्रकारों को गत कई दिनों से ये भी शिकायत नहीं मिल रही थी कि वह महिने में कुछ ही दिन ड्यूटी पर आते हैं, जिसके कारण अंबरनाथ तालुके के आदिवासियों, किसानों एवं लोगों के सरकारी काम रुके हुए हैं. लोगों की चप्पलें घिस गई हैं, लेकिन काम नहीं हो रहा है. ये भी जानकारी मिली है कि उन्होंने एक वर्ष से भी जन्म दाखिले मिलने के लिए एनओसी नहीं दी है. जिलाधिकारी ने उपरोक्त मामले की जांच करना चाहिए, ऐसा तालुका के किसानों, आदिवासियों का कहना है.

ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट शिविरों में वृद्धि!

- अंबरनाथ, बदलापुर और मुरबाड में अतिरिक्त शिविर आयोजित

कैंप कार्यालयों की समय-सारिणी इस प्रकार है:

कैंपिंग कार्यालय क्रमांक 1 : अंबरनाथ – प्रत्येक माह के प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार।
कैंपिंग कार्यालय क्रमांक 2 : बदलापुर – प्रत्येक माह के प्रत्येक सोमवार और गुरुवार।
कैंपिंग कार्यालय क्रमांक 3 : मुरबाड़ – प्रत्येक माह के प्रत्येक बुधवार

ठाणे. कल्याण उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी कार्यों के लिए आते हैं। लर्नर लाइसेंस और स्थायी लाइसेंस, दोनों सेवाओं की माँग बहुत अधिक है। हालाँकि, कई नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता था क्योंकि मौजूदा शिविर कार्यालयों में ड्राइवरों के लिए परीक्षा देने का समय उपलब्ध नहीं था। कल्याण उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग ने बताया है कि जनसंख्या वृद्धि, वाहन मालिकों की संख्या में वृद्धि और दिन-प्रतिदिन बढ़ती माँग को देखते हुए इन शिविरों की संख्या बढ़ाई गई है।

जनसंख्या में तेज़ी से वृद्धि, वाहन मालिकों की संख्या में उसी अनुपात में वृद्धि और लाइसेंस की बढ़ती माँग को देखते हुए, परिवहन कार्यालय ने शिविरों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है।

कल्याण कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में तीन कैंप कार्यालय कार्यरत हैं, अर्थात् अंबरनाथ, बदलापुर और मुरबाड़। इन तीनों स्थानों पर लाइसेंस प्रक्रिया नियमित रूप से की जाती है। हालाँकि, सीमित दिनों और परीक्षा के लिए एक दिन मिलने में आने वाली बाधाओं के कारण, कई लोगों को वापस लौटना पड़ता था। इसी पृष्ठभूमि में, कैंप कार्यालयों के समय-सारिणी में परिवर्तन कर उसे बढ़ा दिया गया है। कल्याण उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशुतोष बरकुल ने बताया कि जनहित में कैंप कार्यालयों की संख्या बढ़ा दी गई है।

नागरिक समस्याओं और रुके हुए कार्यों पर ठोस चर्चा

- शिवसेना प्रतिनिधिमंडल की आयुक्त से मुलाकात

निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा की गई:

- पानी, सड़क, शौचालय और बुनियादी ढाँचे से संबंधित समस्याएँ
- खराब हालत में बोरवेल और कुएँ के पाइपों की मरम्मत
- जल आपूर्ति बाधित
- एमएमआरडीए की 7 सड़कों का लंबे समय से रुका हुआ काम
- कम जल आपूर्ति वाले क्षेत्रों में मुफ़्त टैंकर आपूर्ति

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर की रोज़मर्रा की समस्याओं पर चर्चा के लिए, शिवसेना के शीर्ष पदाधिकारियों ने उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात की। पानी की कमी से लेकर सड़कों पर गड्ढों और झुग्गी-झोपड़ियों में शौचालयों की खराब स्थिति से लेकर एमएमआरडीए के रुके हुए कार्यों तक, नागरिकों के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। आयुक्त मनीषा आव्हाले ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि इन सभी मुद्दों पर तत्काल कदम उठाए जाएँगे और नागरिकों को राहत प्रदान की जाएगी।

उल्हासनगर शहर की ज्वलंत समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए, शिवसेना पदाधिकारियों राजेंद्र चौधरी, राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज, अरुण आशान और अन्य गणमान्य लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात की। इस बैठक में पानी, सड़क, शौचालय और बुनियादी ढाँचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। वर्तमान में, शहर में कई जगहों पर बोरवेल और कुओं के पाइप खराब स्थिति में हैं, जिससे पानी की आपूर्ति बाधित हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि इन सभी बोरवेल की तुरंत मरम्मत की जाए। साथ ही, इस बात पर भी ज़ोर दिया गया कि एमएमआरडीए की सात सड़कों का काम लंबे समय से रुका हुआ है और उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। शहर में पानी की कमी एक गंभीर समस्या है और जिन इलाकों में पानी की आपूर्ति कम है, वहाँ मुफ़्त टैंकर उपलब्ध कराने की माँग की गई। इसके अलावा, झुग्गी-झोपड़ियों में सार्वजनिक शौचालयों की हालत बहुत ख़राब है और नागरिकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रतिनिधिमंडल ने माँग की कि इन शौचालयों की मरम्मत की जाए।

आयुक्त सकारात्मक

शिवसेना प्रतिनिधिमंडल द्वारा बैठक में उठाई गई सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार करके संबंधित विभागों को आवश्यक कदम उठाने के आदेश दिए जाएँगे।

–मनीषा आव्हाले, आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

फ्रांस में सड़कों पर उतरी आम जनता

यह देश भर में सड़कों पर अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बन गई है। इससे न केवल यातायात में बाधा उत्पन्न होती है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी कई गुना बढ़ जाती है। साथ ही पैदल चलने वालों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार और न्यायालय की ओर से समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं, लेकिन धरातल पर इन सबका कोई प्रभावी असर नजर नहीं आता है।

इसी तरह के एक मामले में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने हाल में शिमला शहर में यातायात की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए तत्काल सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। अदालत ने स्थानीय प्रशासन को प्रतिबंधित सड़कों के लिए जारी किए गए वाहन पास पर स्थिति रपट दाखिल करने और पासधारकों के मानदंडों एवं श्रेणियों के संबंध में विस्तार से जानकारी देने का निर्देश भी दिया है।

सड़क पर अतिक्रमण कई तरह से हो रहे हैं

सड़कों पर अतिक्रमण के भी कई रूप देखने को मिलते हैं। कहीं दुकानदार सड़क किनारे जमीन पर कब्जा कर अपनी दुकान आगे बढ़ा लेते हैं, तो कुछ लोग सड़क पर ही अपने वाहन खड़े कर देते हैं। कुछ लोग तो फुटपाथ पर ही अपनी दुकान सजा लेते हैं। इस कारण सबसे ज्यादा परेशानी पैदल चलने वालों को होती है। शिमला में वाहनों की वजह से उपजी इस समस्या पर उच्च न्यायालय ने कड़ा संज्ञान लिया है। मगर यह अकेले शिमला की समस्या नहीं है। देश के बाकी हिस्सों में भी शायद ही कहीं सड़क पर पैदल यात्रियों की सुविधा और अधिकारों का ध्यान रखने की जरूरत समझी जाती है।

कई शहरों-महानगरों में तो पैदल चलने वालों के लिए बने फुटपाथ भी गायब दिखते हैं। नतीजतन, सड़क पर चल रहे लोग हर वक्त एक जोखिम से गुजरते हैं। खुद सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से हाल ही में जारी एक रपट के मुताबिक वर्ष 2023 में सड़क हादसों में 35,221 पैदल यात्रियों की जान चली गई। कायदे से सरकार या न्यायालय के निर्देशों को

देश की अभिव्यक्ति का सबल माध्यम हिंदी

भाषा हमारी अभिव्यक्ति का न केवल सबसे समर्थ माध्यम है, बल्कि संस्कृति के निर्माण, संरक्षण, संचार और अगली पीढ़ी तक उसका हस्तांतरण भी बहुत हद तक उसी पर टिका होता है। ज्ञान के साथ भी भाषा का रिश्ता गहन और व्यापक है, क्योंकि भाषा में ही ज्ञान संजोया जाता है।

भाषा के लेंस से हम अपनी दुनिया को देखते-समझते हैं। उसी से पारस्परिक संवाद करते हैं। भाषा के ही सहारे कुंठा-आक्रोश तथा हास-परिहास सहित विभिन्न भावनाओं को भी मूर्त आकार देते हैं। भाषा हमारे अस्तित्व का प्रमाण और साक्षी बनकर हमारी सत्ता का प्रसार तय करती है, पर भाषाओं की दुनिया बहुरंगी है। भिन्न भाषा-परिवार की भाषाओं में साम्य उनमें संपर्क का परिणाम है, क्योंकि भाषाओं में आदान-प्रदान भी होता है। इससे भारतीय संस्कृति की मूल एकता का भी पता चलता है।

विभिन्न भाषाओं के साहित्य में भी भारतीय संस्कृति की एकता झलकती है। कहावतें, मुहावरे और लोक-साहित्य में भी भाषाई एकता के अनेक सूत्र मिलते हैं। अधिकांश भाषाओं का संस्कृत से निकट संबंध इस तरह के भाषिक साम्य का एक बड़ा कारण है।

भाषा का संस्कृति और शिक्षा से गहन संबंध अंग्रेजों ने उलट-पलट दिया। अपने शासन संचालन के लिए अंग्रेजों को अनुकूल कर्मचारियों को तैयार करना था। इसके लिए अंग्रेजी ही उन्हें सबसे उपयुक्त भाषा लगी। उन्होंने भारतीय भाषाओं को उखाड़कर अंग्रेजी को रोप दिया। धीरे-धीरे भारत, भारतीयता और भारत-भाव

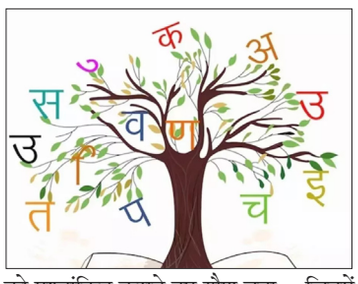

को प्रश्नांकित कराते हुए गौण बना दिया गया। विचार और कर्म भाषा से अनुविद्ध होते हैं।

हमारे अस्तित्व की बनावट और बुनावट में अंग्रेजी जिस तरह पैठी, उसके चलते अपने यथार्थ को उसी के आईने में वह सब भी अपने में देखने लगे, जो था भी नहीं। सांस्कृतिक विस्मरण की प्रक्रिया आधुनिक होने, विकसित होने की वैश्विक दौड़ की अनिवार्यता बन गई। सोचने-विचारने की प्रक्रिया ऐसे तितर-बितर हुई कि ज्ञान की गुणवत्ता प्रश्नांकित होती गई। इसमें यह भ्रम भी मददगार हुआ कि अंग्रेजी एक वैश्विक भाषा है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में संख्याबल के आधार पर 22 भाषाएं उल्लिखित हैं, जिनमें हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया है यानी वह राजकाज की भाषा है।

सरकारी तौर पर 14 सितंबर, 1949 को हिंदी संवैधानिक तौर पर राजभाषा घोषित हुई और उसे अंग्रेजी जैसा बन जाने की सलाह दी गई। अंग्रेजी भाषा राजनीतिक-ऐतिहासिक कारणों से सहायक राजभाषा बनी, पर वास्तव में उसकी भूमिका राजभाषा की रही। उसमें दक्षता आज भी शिक्षा, प्रशासन और उच्च शिक्षा में नौकरी और सरकारी कार्यालयों के लिए जरूरी बनी हुई है। स्वतंत्र भारत ने अंग्रेजों की शिक्षा नीति को लगभग ज्यों का त्यों स्वीकार किया और उसी के अनुसार अंग्रेजी के वर्चस्व को बरकरार रखा। भारतीय भाषाएं हाशिए पर धकेली जाती रहीं।

सरकार का राजभाषा विभाग हिंदी उद्धार के काम में लगा हुआ है, पर अंग्रेजी के साथ प्रतिद्वंद्विता में हिंदी हीनता का पर्याय बनती गई। अंग्रेजी जानने वाला ही ज्ञानी और बाकी गंवार बन गए। यह दुर्योग ही है कि जो भाषा उपनिवेशवाद के खिलाफ खड़ी थी, वह उपनिवेश खत्म होने के बाद बंदी बना ली गई। सरकारी कामकाज मुख्य रूप से अंग्रेजी में ही चलता रहा।

देश की भाषाओं में न्याय, प्रशासन और उच्च शिक्षा में ज्ञानार्जन आदि की व्यवस्था न होने से आम जनता की कठिनाई बढ़ती रही। अब अंग्रेजी बोलना जानना श्रेष्ठता का ऐसा प्रतीक बन चुका है कि हममें से कई लोग अपनी भाषा का तिरस्कार कर हिंदी को हिंगलिश बनाने में ही कल्याण देख रहे हैं। इस परिदृश्य में राजनीति की मुख्य भूमिका रही है। इस सबके बावजूद संवाद, संपर्क और ज्ञान की भाषा के रूप हिंदी की भारत में व्यापक उपस्थिति है।

1909 में इंडियन ओपिनियन में महात्मा गांधी ने लिखा था, सारे भारत के लिए जो भाषा चाहिए, वह हिंदी ही होगी। स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में हिंदी देश की संपर्क भाषा बन गई। विद्यार्थी के रूप में गांधी ने अंग्रेजी में पढ़ाई को अतिरिक्त भार के रूप में महसूस किया था, जो ज्ञानार्जन में रोड़े अटकाती है। वह खुद अधिकांश लेखन मातृभाषा गुजराती में करते थे। हिंदी का क्षेत्र हिमालय की तराई, नर्मदा, पंजाब, सिंध, गुजरात, बंगाल, छोटा नागपुर तक विस्तृत है।

नियमितता के साथ बैठने से हम ध्यानाभ्यास में अधिक माहिर होते जाएँगे।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

वर्दी में पुलिस का धर्म सिर्फ कानून है

किसी भी मौके पर जब पुलिस के हस्तक्षेप की जरूरत पड़ती है, तब उम्मीद की जाती है कि वह बिना किसी भेदभाव के, पक्षपात किए या दबाव में आए बगैर पीड़ित पक्ष के हक में अपने अधिकारों का उपयोग करेगी। इस क्रम में किसी भी हाल में उसके ऊपर धर्म या जाति से जुड़े आग्रह हावी नहीं होंगे और वह सिर्फ न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि पुलिस महकमे से जुड़े लोग कई बार अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने से नहीं हिचकते।

ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिनमें पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे या किसी खास तबके या समूह के खिलाफ पक्षपात करने के आरोप भी लगे। जबकि कानून की वर्दी पहनने के साथ ही व्यक्ति एक दायित्व से बंध जाता है कि उसे हर हाल में न्याय के पक्ष में खड़ा होना है और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने में कानून की सीमा में सभी स्तर पर सहयोग करना है। अफसोस की बात है कि इस तरह के जिन दायित्वों को याद रखना खुद पुलिस महकमे और उससे जुड़े लोगों की अपनी जिम्मेदारी होनी चाहिए, उसके लिए कई बार अदालतों को हस्तक्षेप करना और याद दिलाना पड़ता है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के अकोला में 2023 में हुए दंगे

के एक मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में पुलिस को नसीहत दी कि निष्पक्षता ही उसका असली दायित्व है। अदालत ने कहा कि जब एक बार कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो उसे अपने निजी झुकाव, धर्म, जाति या किसी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से ऊपर उठ कर कानून के मुताबिक अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। उसे अपने पद और अपनी वर्दी से जुड़े कर्तव्य के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करना चाहिए। हालांकि ये अपेक्षाएं पुलिस महकमे से जुड़े किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के काम करने और सोचने के तरीके में बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के शामिल होनी चाहिए, निष्पक्षता और न्याय के पक्ष में काम करना उसके व्यक्तित्व और विचार का स्वाभाविक हिस्सा होना चाहिए। मगर पहले तो किसी आम नागरिक के सामने पुलिस पर अपने खिलाफ पूर्वाग्रह बरतने और पक्षपात करने का आरोप लगाने की नौबत आती है, फिर शीर्ष अदालत को यह बताना पड़ता है कि पुलिस का काम किसी धर्म या जाति पर आधारित भेदभाव के बिना कानून के मुताबिक निष्पक्ष जांच करना है। सांप्रदायिक दंगों के दौरान कार्रवाई और जांच के संदर्भ में पुलिस पर धार्मिक पहचान के आधार पर पक्षपात बरतने के आरोप अक्सर सामने आए हैं। कमजोर या वंचित जातियों के लोगों के खिलाफ अपराधों के मामले में भी पुलिस पर रसूख वाले वर्गों के पक्ष में काम करने के आरोप लगते रहे हैं।

इस लिहाज से देखें तो अकोला दंगे से संबंधित मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह महाराष्ट्र सरकार को विशेष जांच दल गठित करने और उसमें हिंदू तथा मुसलिम समुदायों के अधिकारियों को शामिल करने का निर्देश दिया है, वह एक तरह से पुलिस की कार्यशैली में छिपे पूर्वाग्रहों को उजागर करता है। ऐसा पहली बार हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट ने सांप्रदायिक दंगे की जांच के लिए दोनों समुदायों के अफसरों को शामिल करने का आदेश दिया है। यह याद रखने की जरूरत है कि वर्दी पहनते ही किसी व्यक्ति के साथ यह दायित्व अनिवार्य रूप से जुड़ जाता है कि कानून और न्याय के पक्ष में उसे अपने भीतर के जातिगत या धार्मिक पूर्वाग्रहों और बाहर के दबावों से मुक्त होकर काम करना है।

सड़क पर चलते-चलते 1 करोड़ की हथिनी गायब

जरा हट के

झारखंड के पलामू जिले से एक अजीबो-गरीब और चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां एक हथिनी रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है. इस हथिनी का नाम जयमति बताया जा रहा है. इसमें एक ट्रैकिंग चिप भी लगाया गया है. इसी चिप के आधार पर अब पुलिस और वन विभाग की टीमें इसकी खोजबीन में जुटी हुई हैं. इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है.

दरअसल, बता दें कि पूरा मामला मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोरकट इलाके से जुड़ा है. हथिनी के मालिक नरेंद्र कुमार शुक्ला, जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के विंध्याचल क्षेत्र के रहने वाले हैं. उन्होंने इस चोरी की शिकायत दर्ज कराई है. नरेंद्र शुक्ला ने पुलिस को बताया कि जयमति हथिनी उन्हें संगम लाल नामक व्यक्ति से जिम्मेनामा के आधार पर मिली थी. लेकिन अपने गांव में खाने-पीने की

उचित व्यवस्था न होने के कारण वे इस हथिनी को लेकर झारखंड पहुंचे थे.

हथिनी की देखभाल के लिए शुक्ला ने मिर्जापुर के ही रहने वाले मुन्ना पांडेय और चुनार क्षेत्र के निवासी मन्ना पाठक को जिम्मेदारी सौंपी थी. इन दोनों की मुलाकात पलामू में एक अन्य हाथी मालिक ताड़केश्वर नाथ से हुई. इसके बाद दोनों महावत हथिनी को लेकर जोरकट इलाके में पहुंचे.

नरेंद्र शुक्ला के अनुसार, वे पहली बार 11 अगस्त को जोरकट आए थे, जहां उन्होंने हथिनी और दोनों महावतों को देखा था. लेकिन जब 13 अगस्त को वे फिर उसी जगह लौटे, तो ना तो हथिनी वहां थी और ना ही उसके महावत. इसके बाद उन्होंने कई इलाकों में खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली. न हथिनी का अता-पता चला और न ही दोनों महावतों का कोई सुराग मिला.

आखिरकार, 12 सितंबर को उन्होंने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत सदर थाना मेदिनीनगर में दर्ज कराई. थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है. इसके बाद जांच जारी है. उन्होंने यह भी कहा कि हथिनी में लगे चिप की जानकारी वन विभाग को भेज दी गई है.

खाना-खजाना

एवोकाडो टोस्ट

क्या आप अपने दिन की शुरुआत कुछ हेल्दी और टेस्टी खाना खाकर करना चाहते हैं? अगर हां, तो एवोकाडो टोस्ट आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। यह न सिर्फ बनाने में आसान है, बल्कि इसमें ढेर सारे पोषक तत्व भी होते हैं। एवोकाडो में हेल्दी फैट्स, फाइबर और विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपके हार्ट और डाइजेशन के लिए बहुत फायदेमंद हैं।

सामग्री :

- 2 स्लाइस ब्राउन ब्रेड या होल ग्रेन ब्रेड
- 1 पका हुआ एवोकाडो
- 1 चम्मच नींबू का रस
- नमक स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार
- थोड़ी सी लाल मिर्च फ्लेक्स (अगर आप तीखा पसंद करते हैं)

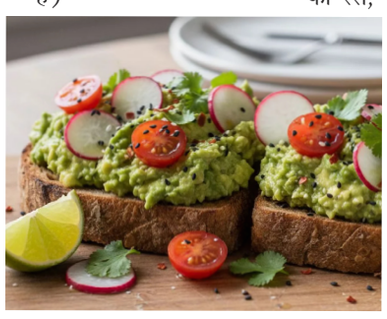

विधि :

सबसे पहले, ब्रेड स्लाइस को टोस्टर में या तवे पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक टोस्ट करें।

एक बाउल में एवोकाडो को बीच से काटें, उसकी गुठली निकालें और चम्मच से उसका गूदा निकाल लें। अब इसे कांटे से अच्छे से मैश करें।

मैश किए हुए एवोकाडो में नींबू का रस, नमक और काली मिर्च पाउडर मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिक्स करें।

अब इस एवोकाडो प्यूरी को टोस्ट की हुई ब्रेड पर अच्छे से फैलाएं।

ऊपर से थोड़ी सी लाल मिर्च फ्लेक्स या कटी हुई धनिया पत्ती डालकर गार्निश करें। आप चाहें तो इसमें टमाटर के स्लाइस या पनीर भी डाल सकते हैं।

बस, आपका हेल्दी और स्वादिष्ट एवोकाडो टोस्ट तैयार है। इसे तुरंत गरमागरम खाएं और अपने दिन की हेल्दी शुरुआत करें।

दिल भी कमजोर बनाती है विटामिन-डी की कमी

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है जो हड्डियों की मजबूती इम्युनिटी और मेंटल हेल्थ को बनाए रखने में मदद करता है। हालांकि कई बार कुछ वजहों से शरीर में इसकी कमी हो जाती है। इसकी कमी से शरीर में कई गंभीर बीमारियां जन्म ले सकती हैं। आइए जानते हैं इन गंभीर समस्याओं के बारे में।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और घरों में अधिक समय बिताने की आदत के चलते हमारे शरीर में विटामिन डी की कमी एक आम प्रॉब्लम बनती जा रही है। सूरज की किरणों से मिलने वाला यह विटामिन हड्डियों की मजबूती, मांसपेशियों की शक्ति, इम्युनिटी और मेंटल हेल्थ के लिए बेहद जरूरी है। हालांकि, जब शरीर में इसकी मात्रा कम हो जाती है, तो धीरे-धीरे कई गंभीर बीमारियां जन्म ले सकती हैं, जिनका समय रहते इलाज न किया जाए तो स्थिति बिगड़ सकती है। तो आइए जानते हैं विटामिन डी की कमी से होने वाली कुछ मुख्य बीमारियों के बारे में-

■ ऑस्टियोपोरोसिस और हड्डियों का कमजोर होना

विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों में।

■ बार-बार बीमार पड़ना (कमजोर इम्युनिटी)

विटामिन डी हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखता है। इसकी कमी से फिजिकल इंफेक्शन, फ्लू, सर्दी-जुकाम जैसे रोगों से जल्दी घिर जाता है।

■ थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर आप हमेशा थकान, आलस और ऊर्जा की कमी महसूस करते हैं तो इसका कारण विटामिन डी की कमी हो सकता है। इससे शरीर की मांसपेशियां भी कमजोर हो जाती हैं।

■ बालों का झड़ना

विटामिन डी बालों के फॉलिकल्स को मजबूत बनाए रखता है। इसकी कमी से हेयर फॉल बढ़ सकता है और बाल पतले होकर टूटने लगते हैं।

■ हृदय रोग (हार्ट डिजीज)

शोधों के अनुसार, विटामिन डी की कमी से ब्लड प्रेशर और हृदय की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

विटामिन डी का लेवल नॉर्मल बनाए रखने के लिए रोजाना कुछ समय धूप में बिताना, विटामिन डी युक्त फूड्स जैसे मशरूम, अंडे की जर्दी, फोर्टिफाइड दूध आदि का सेवन करना और डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट लेना बेहद जरूरी है। इससे शरीर को इन गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है।

■ डिप्रेशन और मूड डिसऑर्डर

कई शोधों में पाया गया है कि विटामिन डी की कमी मेंटल हेल्थ पर भी असर डालती है। इससे व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, उदासी, स्ट्रेस और डिप्रेशन की समस्या हो सकती है।

■ टाइप-2 डायबिटीज का खतरा

विटामिन डी इंसुलिन के कार्य को प्रभावित करता है। इसकी कमी से शरीर में ब्लड शुगर का नियंत्रण बिगड़ सकता है, जिससे टाइप-2 डायबिटीज की संभावना बढ़ जाती है।

आज का राशिफल

मेष : दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। वाणी पर संयम रखें।

वृषभ : मेहनत सफल रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है।

मिथुन : पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। अजनबियों पर विश्वास न करें।

कर्क : यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्ययों में कमी करना चाहिए।

सिंह : फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। वस्तुएं संभालकर रखें। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या : डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी।

तुला : घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें। प्रसन्नता रहेगी। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक : राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद। व्यवहारकुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएं।

धनु : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी। आय कम होगी। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है। व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें।

मकर : राजकीय बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी। अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं।

कुंभ : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है।

मीन : यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है। कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ये 6 आदतें हैं जापानी कपल्स की खुशहाली का सीक्रेट?

शादीशुदा जीवन को खुशहाल बनाए रखना केवल एक-दूसरे से प्यार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पेशेंस, रिस्पेक्ट, समझदारी और आभार जैसी भावनाएं भी शामिल होती हैं। जापानी संस्कृति में रिश्तों को निभाने का तरीका अत्यंत गहराई और सादगी से भरा होता है।

आइची (बिना शर्त प्रेम देना)

'आइची' जापानी भाषा में उस प्रेम को कहा जाता है, जो पूरी तरह निस्वार्थ होता है। जब हम अपने जीवनसाथी को उसकी खूबियों और कमजोरियों के साथ स्वीकार करते हैं, तब प्रेम सच्चा और गहरा बनता है।बिना किसी चाहत के दिया गया प्रेम ही वैवाहिक जीवन की नींव होता है।

ऐमाई को अभ्यास में लाएं

'ऐमाई' का अर्थ होता है अस्पष्टता को सहजता से अपनाना। हर बात में साफ-साफ जवाब या तर्क की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी चुप रहकर

परिस्थिति को समय देना, रिश्ते में शांति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

गमन को अपनाएं (धैर्य और सहनशीलता)

'गमन' का मतलब है कठिनाइयों में भी शांति और सहनशीलता बनाए रखना। वैवाहिक जीवन में कई बार मतभेद होते हैं, ऐसे में धैर्य से काम लेना रिश्ते को टूटने नहीं देता, बल्कि उसे और मजबूत बनाता है।

'वा' – सद्भाव की भावना को अपनाएं

'वा' जापानी संस्कृति में सामंजस्य और सौहार्द का प्रतीक है। अपने जीवनसाथी के साथ तालमेल बैठाकर, बिना हावी होने की भावना के, एक-दूसरे को स्पेस देना और एक साथ निर्णय लेना सुखद वैवाहिक जीवन का रास्ता है।

'इतादाकिमासु' - आभार की भावना

'इतादाकिमासु' का अर्थ है धन्यवाद या कृतज्ञता प्रकट करना। हर छोटी-बड़ी बात जैसे खाने, सहयोग या भावनात्मक समर्थन के लिए आभार जताना रिश्ते में गहराई और विनम्रता लाता है।

मां का सम्मान करें

जापानी संस्कृति में मां को विशेष स्थान प्राप्त है। अपनी मां और सास का सम्मान करना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि परिवार में सद्भाव बनाए रखने का एक सुंदर तरीका है। इससे पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहती है।

मच्छरों से पाना चाहते हैं छुटकारा?

■ घर में रखें नींबू और लौंग

बारिश का मौसम शुरू होते ही मच्छरों की तादाद तेजी से बढ़ने लगती है. खासकर शाम होते ही घर के कोनों में मच्छर मंडराने लगते हैं और रात की नींद हराम कर देते हैं. डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे बीमारियों का डर अलग से सताता है. बाजार में मिलने वाले रासायनिक रिपेलेंट और कॉइल का इस्तेमाल तो लोग करते हैं.

बाजार में मिलने वाले रासायनिक रिपेलेंट और कॉइल का इस्तेमाल तो लोग करते हैं. लेकिन इनसे बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है. ऐसे में अगर एक घरेलू और सुरक्षित उपाय मिल जाए, तो बात ही कुछ और है.

इसी कड़ी में एक आसान और असरदार घरेलू उपाय सामने आया है, जिसमें सिर्फ नींबू और लौंग की मदद से मच्छरों को भगाया जा सकता है. यह उपाय न केवल सस्ता है, बल्कि पूरी तरह प्राकृतिक और सुरक्षित भी है. इस नुस्खे के लिए आपको चाहिए एक ताजा नींबू और 8 से 10 लौंग.

नींबू को बीच में से दो टुकड़ों में काट लें और फिर हर टुकड़े में चार

से पांच लौंग को अच्छी तरह से चुभा दें. अब इन टुकड़ों को अपने कमरे में टेबल या खिड़की के पास रख दें. नींबू की खुशबू और लौंग का तीखापन मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जिससे मच्छर दूर भागते हैं.

यह उपाय रात भर असरदार रहता है और इससे किसी प्रकार की एलर्जी या साइड इफेक्ट की भी चिंता नहीं होती. विशेषज्ञ भी मानते हैं कि नींबू और लौंग में मौजूद प्राकृतिक तेल मच्छरों को रिपेल करने की क्षमता रखते हैं.

खास बात यह है कि इसे छोटे बच्चों के कमरे में भी बेझिझक रखा जा सकता है, क्योंकि इसमें कोई हानिकारक गैस या केमिकल नहीं होते. यदि आप भी मच्छरों से परेशान हैं और रोजाना के कॉइल या लिक्विड पर खर्च कर-कर के थक चुके हैं, तो एक बार यह घरेलू नुस्खा जरूर आजमाएं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

जौनपुर में डबल मर्डर: तड़तड़ाईं गोलियां, सगे भाइयों को उतारा मौत के घाट

जौनपुर. रामनगर के मझगवां गांव निवासी 50 वर्षीय शाहजहां बाइक से अपने भाई 46 वर्षीय जहांगीर के साथ शाम को बादशाहपुर गए थे। दोनों रात में वापस घर लौट रहे थे। रामनगर गांव के पास बाइक से पहुंचे बदमाशों ने दोनों को गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर जब तक आसपास के लोग जुटते बदमाश फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को फोन किया। शाहजहां की मौके पर ही मौत हो गई जबकि जहांगीर को गंभीर हालत में प्रयागराज के एक अस्पताल में ले जाया गया। जहां कुछ देर बाद जहांगीर की भी मौत हो गई। फिलहला घटना का कारण पता नहीं चल सका है। थाना प्रभारी मुंगरा बादशाहपुर केके सिंह ने बताया कि गोली लगने से दो भाइयों की मौत हुई है। आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। घटना की जानकारी मिलने पर एसपीआरए आतिश कुमार सिंह, सीओ मछलीशहर प्रतिमा वर्मा भी पहुंच गईं। आसपास लगे सीसीटीवी के आधार पर भी बदमाशों का सुराग लगाने की कोशिश हो रही है।

गोंडा में हादसा:, भरभराकर ढहा मकान, मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत, तीन घायल

गोंडा. यूपी के गोंडा में हादसा हो गया। कोतवाली देहात क्षेत्र के मेवातियान मोहल्ले में स्थित एक जर्जर मकान रविवार दोपहर गिराते समय भरभराकर ढह गया। इस घटना में चार मजदूर छत के मलबे में दब गए। कड़ी मशक्कत के बाद तीन मजदूरों को जिंदा निकाल लिया गया जबकि एक की मौके पर ही मौत हो गई। मकान ढहने की घटना दोपहर 12 बजे के आसपास हुई। सूचना मिलते ही पुलिस व स्थानीय लोग पहुंच गए और बचाव कार्य में जुट गए। लोगों ने इंजमाम पुत्र नन्हकू, साहिल पुत्र सोनू व गुफरान पुत्र फहीम को मलबे से घायलावस्था में बाहर निकाल लिया जबकि एक मजदूर की मौत हो गई। मरने वाले मजदूर की अभी पहचान नहीं हो पाई है। प्रभारी डीएम व सीडीओ अंकिता जैन ने बताया कि तीन मजदूरों को बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि एक की मौत हुई है। मरने वाले मजदूर के शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

कंप्यूटर सेंटर पर रेड, पढ़ाई की आड़ में चल रहे अवैध स्पा सेंटर में हो रहा था देह व्यापार

यूपी के मेरठ में गढ़ रोड स्थित एक कंप्यूटर सेंटर में अवैध रूप से चलाए जा रहे स्पा सेंटर पर देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने शनिवार को छापा मारा। पुलिस ने यहां से आठ युवतियों समेत 12 लोगों को हिरासत में लिया है। स्पा सेंटर को सील कर दिया गया है। संचालक समेत पांच पर देह व्यापार कराने और धोखाधड़ी में मुकदमा दर्ज किया गया है। नौचंदी थाना क्षेत्र में गढ़ रोड स्थित एक कॉम्प्लेक्स में एफेबल डिजाइन्स कंपनीज नाम से पंजाब फिरोजपुर निवासी राजबीर कई माह से कंप्यूटर सेंटर की आड़ में स्पा सेंटर चला रहा था। आरोप है कि यहां देह व्यापार हो रहा था। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस अधिकारियों को देते हुए बताया कि यहां अज्ञात युवक-युवतियों का आना-जाना लगा रहता है। शनिवार दोपहर एसएसपी डॉ. विपिन ताडा के आदेश पर सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने नौचंदी और मेडिकल पुलिस टीम के साथ कंप्यूटर सेंटर पर छापेमारी की। इस दौरान यहां हड़कंप मच गया। कई युवतियां सेंटर पर मिलीं। पुलिस टीम को स्पा सेंटर से आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ। पांच मोबाइल भी बरामद हुए जिसमें युवतियों के फोटो थे।

नेपाली PM बोलीं- हिंसा में मारे गए शहीद कहलाएंगे

- पीड़ितों के परिजन को 10-10 लाख नेपाली रुपए देंगे
- 6 महीने में चुनाव कराकर सत्ता छोड़ दूंगी

काठमांडू. नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि Gen-Z आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा। पीड़ितों के परिजनों को 10-10 लाख नेपाली रुपए का मुआवजा भी दिया जाएगा। हिंसा में 51 लोगों की मौत हुई थी, जिसमें 1 भारतीय महिला भी थी। कार्की ने भ्रष्टाचार को खत्म करने का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा, 'नेपाल में पहली बार 27 घंटे तक लगातार आंदोलन हुआ।' कार्की बोलीं, 'मैं 6 महीने से ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहूंगी और नवनिर्वाचित संसद को अधिकार सौंप दूंगी।' 12 सितंबर को PM पद संभालने के बाद कार्की को नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी गई थी।

नेपाल हिंसा में 3 पूर्व PM बेघर, घर ढूंढ रहे समर्थक

हिंसा के बाद नेपाल के तीन पूर्व PM केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउबा और पुष्प कमल दहल प्रचंड बेघर हो गए हैं। Gen-Z प्रदर्शनकारियों ने 9 सितंबर को इनके घरों को फूंक डाला था।

फिलहाल ये सभी आर्मी के कैंपों में रह रहे हैं। इनके समर्थक अपने नेताओं के लिए किराए के मकान ढूंढने में जुटे हुए हैं। ये नेता कुछ दिन काठमांडू से बाहर के शहरों जैसे पोखरा में रहना चाहते हैं, ताकि फिर से Gen-Z के गुस्से का सामना नहीं करना पड़े।

15 मंत्रियों के नाम पर विचार

वहीं, PM बनने के बाद सुशीला कार्की मंत्रिमंडल बनाने पर काम कर रही हैं। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की 15 से ज्यादा मंत्रियों के साथ एक मंत्रिमंडल बना सकती हैं। मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमान घीसिंग शामिल हैं। साथ ही डॉ. भगवान कोइराला, डॉ. संदुक रुइत, डॉ. जगदीश अग्रवाल और डॉ. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। जेन-Z के सदस्य भी इस फैसले में शामिल हो रहे हैं। इसके लिए वे ऑनलाइन वोटिंग का सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है। हालांकि, इसे सोमवार तक के लिए भी टाला जा सकता है।

बिहार के बाद अब केरल में SIR की तैयारी

- चुनाव आयोग की राजनीतिक दलों के साथ बैठक

नई दिल्ली. चुनाव आयोग बिहार जैसा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) पूरे देश में कराने की तैयारी कर रहा है। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) रतन यू केलकर ने बताया कि 20 सितंबर को राजनीतिक दलों के साथ बैठक होगी। इसमें पार्टियों को SIR की प्रक्रिया के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमने सारी तैयारियां कर ली हैं और शेड्यूल का इंतजार कर रहे हैं। इसके तहत 20 तारीख को राजनीतिक पार्टियों के साथ बैठक होगी, जिसमें इस प्रक्रिया के कदम और तरीके समझाए जाएंगे।'

रतन केलकर ने बताया कि केरल में SIR की घोषणा जल्द होगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने रिकॉर्ड्स को डिजिटाइज करके अपनी वेबसाइट पर सर्च करने लायक फॉर्मेट में डाल दिया है। उन्होंने कहा, 'हाल ही में निर्वाचन आयोग की बैठक में हमने पूरे देश में SIR की तैयारियों पर चर्चा की थी। केरल की ओर से हमने अपनी तैयारियां पेश कीं और हमें उम्मीद है कि SIR की घोषणा जल्द होगी। केरल में हमने पहले से कुछ तैयारियां शुरू कर दी हैं। 2002 में हमने SIR किया था।' उन्होंने कहा कि सारे रिकॉर्ड्स डिजिटाइज कर दिए गए हैं और उन्हें वेबसाइट पर सर्च करने लायक बना दिया है।

100% डिजिटल साक्षरता की तारीफ

केरल में 100% डिजिटल साक्षरता की रतन केलकर ने तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया आसान होगी। इसमें जनता, मीडिया और राजनीतिक पार्टियों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स का सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा, 'डॉक्यूमेंट्स के लिए केरल में पहले से ही 100% डिजिटाइजेशन हो चुका है। शत फीसदी डिजिटल साक्षरता है और 4जी कवरेज भी पूरा है।

हम कभी बंट गए थे लेकिन वह भी मिला लेंगे

आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत तमाम भविष्यवाणियों को गलत साबित करते हुए विकास के पथ पर दिनोंदिन आगे बढ़ता जा रहा है। इंदौर में एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने इशारों ही इशारों में ब्रिटेन (UK) को आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि हम आगे बढ़ेंगे। हम नहीं बंटेंगे। हम कभी बंट गए थे लेकिन हम वह भी मिला लेंगे। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अपने संबोधन में पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल के एक बयान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कभी ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि ब्रिटिश शासन समाप्त होने के बाद भी तुम (भारत) टिक नहीं सकोगे और बंट जाओगे.

'शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल जाता हूं'

- 'मां की गाली' पर फिर बोले PM मोदी

गुवाहाटी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज असम के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने खुद को भगवान शिव का भक्त बताया। उन्होंने कहा कि कोई मुझे कितनी भी गाली दे, मैं सारा जहर निगल जाता हूं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि मेरा रिपोर्ट कंट्रोल सिर्फ देश की 140 करोड़ जनता है, वही मेरा मालिक है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भूपेन हजारिका का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार भूपेन हजारिका जैसे असम के महान सपूतों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने कहा, ₹मेरे लिए तो जनता-जनार्दन ही मेरा भगवान है। मेरे भगवान के पास जाकर मेरी आत्मा की आवाज नहीं निकलेगी तो और कहां निकलेगी। यही मेरे मालिक हैं, यही मेरे पूजनीय हैं, यही मेरा रिमोट कंट्रोल हैं और कोई मेरा रिमोट कंट्रोल नहीं है। 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट कंट्रोल हैं।₹

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के दरांग में 6,300 करोड़ रुपये की स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना की भी आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार असम आया हूं।

गौरतलब है कि पिछले दिनों इंडिया गठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा के समय बिहार के दरभंगा में एक मंच से विपक्षी दलों के कुछ कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी और उनके मां को गाली दी थी जिसका वीडियो सामने आया था। इस मामले में बिहार भाजपा की तरफ से एक प्राथमिकी दर्ज करवाई थी जिसमे कहा गया था कि वोटर अधिकार यात्रा के एक कार्यक्रम के दौरान मंच से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दी गई। इस मामले में दरभंगा जिले की पुलिस ने सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भवानीपुर पंचायत (वार्ड सं० 1) के भपुरा गंव निवासी अनीश कुरैशी के पुत्र मोहम्मद रिजवी उर्फ राजा को गिरफ्तार किया था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, ₹भारत वर्तमान में दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाला देश है और असम इसके सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में से एक है। कभी विकास के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष कर रहा असम अब काफी बदल गया है और 13% की विकास दर के साथ उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह प्रभावशाली उपलब्धि यहां के लोगों के दृढ़ संकल्प और समर्पण का प्रमाण है। यह असम के लोगों की कड़ी मेहनत और भाजपा की डबल इंजन सरकार के योगदान से प्रेरित सहयोगात्मक प्रयासों का भी परिणाम है। यही कारण है कि हिमंत बिस्वा सरमा जी और उनकी टीम को असम के लोगों का भारी समर्थन मिल रहा है।₹

मेरे दिमाग की कीमत हर महीने 200 करोड़

- नितिन गडकरी ने गिना डाले अपने बेटे के कारोबार

इथेनॉल को लेकर विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विरोधियों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा, मेरा दिमाग की ही कीमत हर महीने 200 करोड़ की है। मेरे पास पैसे की कोई कमी नहीं है और मैं कभी नीचे नहीं गिर सकता हूं। उन्होंने कहा कि वह जो कुछ भी करना चाहते हैं वह किसानों के हित के लिए है। इसका कमाई से कोई लेना-देना नहीं है।

नागपुर में एग्रीकोज वेलफेयर सोसाइटी के एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान उन्होंने कहा, आपको क्या लगता है कि ये सब मैं पैसे के लिए कर रहा हूं? मैं कोई दलाल नहीं हूं, ईमानदारी से कमाना जानता हूं। उन्होंने कहा, बहुत सारे राजनेता लोगों को लड़ाकर खुद फायदा उठाना जानते हैं, लेकिन हम उनमें नहीं हैं।

गडकरी ने कहा, मेरा भी घर-परिवार है। मैं कोई संत नहीं हूं। मुझे हमेशा लगता है कि विदर्भ में 10 हजार किसानों की आत्महत्या शर्म की बात है। जब तक कि हमारे किसान समृद्ध नहीं हो जाते, हम अपने प्रयास कम नहीं करेंगे। गडकरी ने अपने बेटे की कंपनी को लेकर कहा कि वह केवल आइडिया देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा बेटा इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का बिजनेस करता है। उसने हाल ही में ईरान से 800 कंटेनर सेब ऑर्डर किए और यहां से 100 कंटेनर केले भेज दिए।

गडकरी ने कहा, मेरे बेट ने गोवा से 300 कंटेनर मछलियां सर्बिया को सप्लाई कीं। उन्होंने कहा, बेटे ने ऑस्ट्रेलिया में दूध के प्रोडक्ट की फैक्ट्री लगाई है। वह अब अबू धाबी और अन्य जगहों पर भी कंटेनर भेजता है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा आईटीसी के साथ मिलकर 26 चावल मिलें चलाता है। गडकरी ने कहा, मुझे पांच लाख टन चावल के आटे की जरूरत पड़ती है। इसलिए वह मिल चलाता है और मैं उससे आटा खरीद लेता हूं। उन्होंने कहा कि ये कुछ उदाहरण है जिससे पता चलता है कि बिजनेस में इंटरेस्ट रखने वाले लोग कृषि क्षेत्र में कैसे अवसर पैदा कर सकते हैं।

चार्ली किर्क की हत्या के पीछे LGBTQ ऐंगल?

- ट्रांसजेंडर के साथ रिलेशन में था आरोपी

वाशिंगटन डीसी. डोनाल्ड ट्रंप के करीबी दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बाद पूरे अमेरिका में सनसनी फैल गई। वहीं हत्या के एक संदिग्ध आरोपी टाइलर रॉबिंसन को गिरफ्तार किया गया है। रॉबिंसन की उम्र केवल 22 साल है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक रॉबिंसन एक ट्रांसजेंडर के साथ रिलेशन में था। वे दोनों एक ही फ्लैट में रहते थे। जानकारी के मुताबिक रॉबिंसन के पार्टनर पर हत्या में शामिल होने का कोई आरोप नहीं है। हालांकि उससे पूछताछ की जा रही है।

रॉबिंसन के पार्टनर का नाम

लैंस ट्विग्स बताया गया है। रॉबिंसन के घर वालों ने भी पुष्टि की है कि वे दोनों साथ में ही रहते थे. हालांकि उन्होंने रोमांटिक रिलेशन के बारे में कुछ नहीं बताया। जांच अधिकारियों ने कहा कि अगर कोई रॉबिंसन का इतना करीबी है तो ऐसा नहीं हो सकता कि उसे कुछ भी जानकारी ना हो। अगर वह हत्या में शामिल नहीं भी था तब भी उसके पास साजिश को लेकर जानकारी पहले से जरूर रही होगी।

प्रियंका के वायनाड दौरे के बीच 2 आत्महत्याएं

- कांग्रेस के सामने नई मुसीबत

वायनाड. केरल के पहाड़ी जिले वायनाड में पार्टी के 2 कार्यकर्ताओं की आत्महत्याओं ने कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया है। यह ऐसे समय हुआ जब सांसद प्रियंका गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद हैं। एक घटना पिछले साल और दूसरी एक दिन पहले की है। वायनाड के मुल्लानकोली में स्थानीय पार्टी कार्यकर्ता ने आत्महत्या कर ली। इसके एक दिन बाद जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एनएम विजयन की बहू ने अपनी कलाई काटकर सुसाइड करने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि पद्मजा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अब उनकी हालत स्थिर है।

पद्मजा ने खुदकुशी का प्रयास मीडिया को यह बताने के कुछ घंटों

बाद किया कि पिछले साल विजयन की मृत्यु के बाद पार्टी की ओर से वादा की गई वित्तीय सहायता अभी नहीं मिली है। एक त्रासदी में विजयन के साथ उनके बेटे जिजेश की भी जान चली गई थी। 78 वर्षीय विजयन और उनके 38 वर्षीय बेटे ने कर्ज में डूबने के कारण जहर खा लिया था। परिवार का दावा है कि उन्होंने पार्टी गतिविधियों के लिए भारी कर्ज लिया था और चुका ना पाने पर उन्होंने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद कांग्रेस ने देनदारियों की जिम्मेदारी लेने का आश्वासन दिया था। लेकिन पद्मजा ने शनिवार को बताया कि परिवार पर अब भी 2 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज है, जिसमें से 20 लाख रुपये से भी कम का भुगतान किया गया है।

आत्महत्या की क्या बताई वजह

पद्मजा ने कहा, 'मेरे ससुर ने निजी कामों के लिए नहीं, बल्कि पार्टी की जरूरतों के लिए कर्ज लिया था। पार्टी ने सभी देनदारियों का भुगतान करने का वादा किया था, लेकिन अब वह अपने वादे से मुकर गई है। मेरे पति तनाव के कारण अस्पताल में हैं। मैं अधिक देर तक प्रतीक्षा नहीं कर सकती।' उन्होंने आगे कहा कि परिवार डीसीसी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने और मुख्यमंत्री को याचिका देने की योजना बना रहा है।

भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड को हराया

- 32 साल के बाद पहली बार यूरोपियन टीम को मात दी
- सुमित ने हेनरी को हराया

भारतीय टेनिस टीम ने स्विट्जरलैंड के बीएल शहर में शनिवार को इतिहास रच दिया। डेविस कप 2025 वर्ल्ड ग्रुप-1 में भारत ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। यह भारत की 32 साल में यूरोप की किसी टीम के खिलाफ पहली जीत है। पिछली बार यह उपलब्धि 1993 में फ्रांस के खिलाफ मिली थी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम डेविस कप 2026 क्वालिफायर में जगह पक्की कर ली।

भारतीय टीम को शनिवार को डबल्स मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। स्विट्जरलैंड के याकुब पॉल और डॉमिनिक स्ट्रिकर की जोड़ी ने एन श्रीराम बालाजी और ऋत्विक बोलीपल्ली को 6-7, 6-4, 7-5 से हराया। इसके बाद सुमित नागल ने हेनरी बर्नेट को 6-1, 6-3 से हराया। इसी के साथ भारत ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हरा दिया।

भारत ने पहले दिन दोनों सिंगल्स जीते थे

इससे पहले, भारत ने पहले दिन शुक्रवार को अपने दोनों सिंगल्स मुकाबले जीते थे। रिजर्व प्लेयर दक्षिणेश्वर सुरेश ने जेरोम काइम को सीधे सेटों में 7-6, 6-3 से हराकर भारत को पहली जीत दिलाई थी। जबकि सुमित नागल ने मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 6-3, 7-6 से हराया था।

भारत ने पिछली बार फ्रांस को हराया था

भारत ने पिछली बार 1993 में कान्स में किसी यूरोपीय टीम को हराया था, जब लिएंडर पेस और रमेश कृष्णन की अगुआई में टीम ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 3-2 से हराया था। डेविस कप टेनिस का एक इंटरनेशनल टीम टूर्नामेंट है। इसमें केवल मेंस प्लेयर्स हिस्सा लेते हैं। जिसे टेनिस का वर्ल्ड कप भी कहा जाता है। यह 1900 में अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन की टीमों के बीच शुरू हुआ था, और अब इसमें 150 से ज्यादा देशों की टीमें हिस्सा लेती हैं।

हम एक छत के नीचे नहीं रह सकते

- कुकी विधायकों ने पीएम मोदी से कर अलग केंद्र शासित प्रदेश की मांग

इंफाल. हिंसा के दो साल बाद मणिपुर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुकी-जो आदिवासी विधायकों ने बड़ी मांग कर दी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के आदिवासियों के लिए अलग प्रशासन या फिर अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए। पीएम मोदी को सौंपे गए ज्ञापन में उन्होंने कहा, चुराचांदपुर के पहले दौरे पर हम आपका दिल से स्वागत करते हैं। आपके दौरे के बाद हमें बड़े राजनीतिक परिवर्तन की आशा है। आपको पता है कि मणिपुर के घाटी इलाके से हमारे लोगों को भगा दिया

गया और उनपर अत्याचार किए गए। बहुसंख्यक समुदाय ने अल्पसंख्यक आदिवासियों पर बहुत कहर ढाए हैं। उन्होंने आगे कहा, दोनों पक्ष ''केवल अच्छे पड़ोसियों के रूप में शांति से रह सकते हैं, फिर कभी एक ही छत के नीचे नहीं रह सकते।'' इस दावे के साथ कुकी विधायकों ने प्रधानमंत्री से ''विधानसभा वाले एक अलग केंद्र शासित प्रदेश की उनकी मांग को पूरा करने के लिए बातचीत में तेजी लाने'' का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि केवल इसी से हमारे लोगों में स्थायी शांति, सुरक्षा, न्याय और अपनेपन की भावना आएगी।''

जुलाई 2023 में, कुकी समुदाय से जुड़े इन 10 आदिवासी विधायकों ने हिंसक झड़पों के मद्देनजर केंद्र से अपने समुदाय के लिए एक अलग प्रशासन गठित करने का आग्रह किया था। वहीं मणिपुर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मणिपुर 'भारत माता' के मुकुट को सुशोभित करने वाला 'रत्न' है। यहां किसी भी प्रकार की हिंसा निंदनीय है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के साथ घोर अन्याय भी है। हमें मिलकर मणिपुर को शांति और विकास के पथ पर आगे ले जाना होगा।'

9 साल जेल में रखा, 9 करोड़ रुपए दो

- हाईकोर्ट से बरी हुए शख्स ने मांगा हर्जाना, क्या मामला?

मुंबई. मुंबई में 2006 के सीरियल ब्लास्ट मामले में बरी हुए एक शख्स ने उसे बिना वजह कैद में रखे जाने और हिरासत में मिली यातनाओं का हवाला देते हुए हर्जाने की मांग की है। अब्दुल वाहिद शेख नाम के शख्स ने कहा है कि उसे बिना गलती के 9 साल तक जेल में रखा गया और इसीलिए उसे 9 करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाए। उसने शुक्रवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग में आवेदन दायर कर पुनर्वास के लिए भी मदद मांगी है। जानकारी के मुताबिक ब्लास्ट से जुड़े केस की जांच के दौरान वाहिद शेख को महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (ATS) ने गिरफ्तार किया था। हालांकि 9 साल जेल में रहने के बाद 2015 में विशेष अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया। उनकी अर्जी में कहा गया कि जेल में बिताया गया यह समय उनके करियर, शिक्षा और निजी जिंदगी के लिए कभी ना भरने वाला नुकसान साबित हुआ। साथ ही हिरासत के दौरान उसे यातनाएं दी गईं जिसकी वजह से उसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी जूझना पड़ा।

'आतंकवादी कहे जाने का ठप्पा'

शेख ने बताया कि वह फिलहाल एक स्कूल शिक्षक का काम कर रहे हैं और परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी पर आतंकवादी कहे जाने का ठप्पा भी लगा है और इस वजह से बाहर आने के बाद नौकरी ढूंढना मुश्किल हो गया। उन्होंने आगे बताया कि जेल में रहने के दौरान उनके परिवार को सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक तकलीफें उठानी पड़ीं। इतना ही नहीं उन पर करीब 30 लाख रुपए का कर्ज भी हो गया।

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार
सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर संभाग
जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, अजमेर
RPSC के पास जयपुर रोड़, अजमेर-305 001

रजिस्टर्ड
कमांकः एफ. ( ) जि.उ.के.अ./ MSEFC/AD/2025-26/2854 दिनांक 28/8/2025
M/S, AMIT RAJU GOGIA, 2099/4 SHOP NO 55/1
OPP PRABHARAM MANDIR ROAD ULHASNAGAR

अंतिम नोटिस

केस नम्बर RJ/07/S/AJR/00216

M/s MOUNTWAY SUITINGS P LTD Flat No- 13,14, Building- NEW CLOTH MARKET, Road/Street- PUR ROAD, Village/Town- BHILWARA, Block BHILWARA, City-BHILWARA JAIN.AASU@YAHOO.COM

द्वारा FABRIC MENZEL COTTON की आपूर्ति का भुगतान आप द्वारा आपूर्तिकर्ता इकाई को नहीं किए जाने के कारण आपूर्तिकर्ता द्वारा MSMED Act-2006 की धारा 18 के अंतर्गत सुविधा परिषद को रेफरेंस प्रस्तुत करने पर बैठक दिनांक 20.08.2025 में आप (केता संस्था) को व आपूर्तिकर्ता संस्था को नोटिस दिनांक 04.8.2025 रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित किया जाकर, वाद के संबंध में सुविधा परिषद के समक्ष उपस्थित होने हेतु लिखा गया।

उक्त वाद से संबंधित परिषद की समस्त बैठकों में आप (केता पक्ष) अनुपस्थित रहे तथा ना ही आपने परिषद के पत्रों का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया। सुविधा परिषद की बैठक दिनांक 20.8.2025 में परिषद द्वारा सर्वसम्मति से क्रेता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्र के माध्यम से आपूर्तिकर्ता के व्यय पर कंता के लिए सुनवाई के अंतिम अवसर की लोक सूचना प्रकाशित करवाने का निर्णय लिया गया।

अतः जरिये अंतिम नोटिस आपको सूचित किया जाता है कि आपूर्तिकर्ता इकाई को विलंबित बकाया भुगतान न किए जाने के संबंध में अपना प्रत्युत्तर 15 दिवस में प्रस्तुत करें, अन्यथा MSMED Act-2006 की धारा 16 के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही प्रारंभ की जायेगी।

(डी. के शर्मा)
अध्यक्ष, सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर संभाग

कमांक : एफ. ( ) जि.उ.कें.अ. / MSEFC/AD/2025-26/2855 दिनांक 28/8/2025
प्रतिलिपिः- M/s MOUNTWAY SUTTINGS P LTD Flat No- 13,14, Building- NEW CLOTH MARKET, Road/Street- PUR ROAD, Village/Town- BHILWARA, Block- BHILWARA, City- BHILWARA JAIN.AASU@YAHOO.COM

अध्यक्ष,
सूक्ष्म एवं लघु उद्यम सुविधा परिषद, अजमेर संभाग

संक्षेप...

एलफिंस्टन ब्रिज बंद, बनेगा नया डबल डेकर फ्लाईओवर

मुंबई. मुंबई का 125 साल पुराना ब्रिटिशकालीन एल्फिंस्टन ब्रिज आज आधी रात से यातायात के लिए बंद कर दिया जाएगा. यह पुल अगले दो साल तक बंद रहेगा. ब्रिज को तोड़कर उसकी जगह नया पुल बनाया जाएगा. इस संबंध में गुरुवार को अधिसूचना जारी की गई, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि आज रात 9 बजे से वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू हो जाएगी.

एमएमआरडीए ने इस पुल को ध्वस्त कर इसकी जगह नया 4.5 किलोमीटर लंबा डबल डेकर फ्लाईओवर बनाने की योजना बनाई है. पुल को तोड़ने की अधिसूचना चौथी बार जारी की गई है. ट्रैफिक पुलिस ने ब्रिज बंद होने के बाद वैकल्पिक मार्ग तय किए हैं. मोटर चालक दादर के तिलक ब्रिज और चिंकपोकली पुल का उपयोग रेलवे ट्रैक पार करने के लिए कर सकते हैं. वहीं, करी रोड पुल पर यातायात तीन स्लॉट्स में नियंत्रित होगा. सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक पुल पूर्व से पश्चिम दिशा के वाहनों के लिए, दोपहर 3 से रात 11 बजे तक पश्चिम से पूर्व दिशा और रात 11 बजे से सुबह 7 बजे तक दोनों दिशाओं के लिए खुला रहेगा.

सड़कों के गड्ढों में गिरने से हुए हादसों को लेकर बांबे हाईकोर्ट हुआ सख्त

गड्ढों से हुई मौतों के लिए मुआवज़ा देने को तैयार रहें शीर्ष अधिकारी

भिवंडी. मुंबई, भिवंडी सहित अन्य शहरों में गड्ढों से हुई मौत और पीड़ित परिवारों के दर्द को मुंबई हाईकोर्ट ने बेहद गंभीरता से संज्ञान में लिया है.हाईकोर्ट ने सड़कों पर हुए गड्ढों के कारण हुई 5 मौतों पर संबंधित अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई हैं. हाईकोर्ट पीड़ित पक्षों के मुआवज़े के मुद्दे पर आगामी 18 सितंबर को गंभीरता से विचार कर निर्णय देगा.हाईकोर्ट रजिस्ट्रार ने संबंधित प्रशासन को सूचित कर मुआवजा की रकम देने को तैयार रहने के निर्देश दिए है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा क्षेत्र सहित तालुका अंतर्गत अधिसंख्यक सड़कों पर हुए गड्ढों की वजह से वाहन से तो छोड़िए पैदल चलना भी खतरे को दावत देना है.भिवंडी तालुका अंतर्गत भिवंडी-कामन चिंचोटी मार्ग एवं भिवंडी- वाडा मार्ग के बदहाल होने से बाइक सवार आए दिन गड्ढों में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं.उक्त बदहाल मार्गों पर विगत वर्षों में जानलेवा गड्ढों में गिरकर 3 मौत भी हुई है.जनहित याचिका पर संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और संदेश पाटिल ने उक्त आदेश जारी कर संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को पीड़ित परिवारों को मुआवजा की रकम चुकाने के लिए तैयार रहने को कहा है.न्यायाधीश आगामी 18 सितंबर को मुआवजा की रकम तय करेंगे.वे मुंबई सहित अन्य शहरों की सड़कों की ₹दयनीय स्थिति₹ और गड्ढों के कारण होने वाली घातक दुर्घटनाओं पर स्वतः संज्ञान से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहे थे. सड़क पर हुए गड्ढों में गिरकर 5 मौत हुई है जिसमें 3 भिवंडी तालुका अंतर्गत, 1मुंबई और 1वसई- विरार सीमा में हुई है. शिकायतकर्ता ने कहा कि, गड्ढों से भरी सड़क के हादसों की कुछ ही घटनाएँ सामने आई हैं. हाईकोर्ट के समक्ष कई समाचार पत्र की हादसा रिपोर्टें प्रस्तुत हुई जिनमें गड्ढों वाली सड़कों की तस्वीरें शामिल थीं. न्यायमूर्ति मोहिते डेरे ने कहा ये जानलेवा गड्ढे हैं. न्यायाधीश ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि, सड़कें जो दशकों तक चलती थीं अब क्या हो रहा है ? करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित हुई नई सड़कों पर एक ही बारिश में गड्ढे हो जाते हैं.भ्रष्टाचार की वजह से घटिया सड़के बनती हैं. घटिया निर्माण के लिए अधिकारी और ठेकेदार भी जिम्मेदार हैं. न्यायाधीश मोहिते डेरे ने कहा, ₹किसी की जान चली जाती है. आपको नहीं लगता कि, संबंधित प्रशासन की कुछ ज़िम्मेदारी है ? घटिया निर्माणकर्ता ठेकेदार भी बराबर का जिम्मेदार है.किसी और की लापरवाही के कारण परिवार में अकेला कमाने वाला व्यक्ति मर जाता है.पीड़ित का परिवार दुख भोगता है.जब तक मुआवज़ा नहीं दिया जाता तब तक आप नहीं जागेंगे. हाईकोर्ट आदेश का अनुपालन न करने पर अधिकारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी.अधिवक्ता जमशेद मिस्त्री ने कहा कि मौतों के अलावा कई लोग गड्ढों के कारण घायल हुए हैं.घायलों की निशानदेही कर उपचार खर्च सहित जरूरी आर्थिक मुआवजा देना आवश्यक है.

शासकीय सूत्रों की मानें तो, हाईकोर्ट की फटकार और हादसों की खातिर मुआवजा देने के प्रस्तावित निर्णय से अधिकारियों के होश उड़ गए हैं.

शहीदों के सम्मान में देशभक्त मैदान में

- ठाणे से प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को भेजा गया सिंदुर
- ठाणे में ज़ोरदार विरोध
- क्रिकेट नहीं, युद्ध खेलें पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

ठाणे. पहलगाम आतंकी हमले को भले ही कुछ महीने बीत गए हों लेकिन मोदी शाह सरकार ने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट का 'खेल' शुरू कर दिया है। आज ठाणे में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी ने पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट खेलने की अनुमति देने वाली केंद्र की दोहरी नीति वाली सरकार के खिलाफ ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शहीदों के सम्मान में, देशभक्त मैदान में उतरे क्रिकेट नहीं, युद्ध खेलें इस मौके पर गुस्साए ठाणेकरों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। ऐसे समय में जब देश भर में जनभावनाएँ चरम पर थीं, क्रिकेट मैच आयोजित करके शहीदों का अपमान करने वाले देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को सिंदुर भेजकर पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण हमले की याद दिलाई गई।ठाणे जिला शिवसेना महिला आघाड़ी की ओर से राज्यव्यापी आंदोलन चलाया गया। शिवसेना महिला आघाड़ी की ओर से शिवसेना चंदनवाड़ी शाखा में केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।इस क्रिकेट मैच के खिलाफ पूरे देश में जनभावनाएँ प्रबल हैं। इस जनभावना को व्यक्त करने के लिए शिवसैनिक सड़कों पर उतरे। शिवसेना के वीरों ने घर-घर जाकर सिंदूर इकट्ठा करके भेजा।इस अवसर पर शिवसेना नेता पूर्व सांसद राजन विचारे, संपर्क प्रमुख नरेश मनेरा, जिला प्रमुख केदार दिघे, शहर प्रमुख अनीश गाढ़वे, जिला संगठक रेखाताई खोपकर, उपजिला संगठक आकाश राणे, महेश्वरी तरे, ज्योति कोली, ठाणे विधानसभा संगठक प्रमिला भांगे, वैशाली शिंदे, विद्या कदम, स्मिता इंदुलकर के साथ ही विभाग प्रमुख, उप-विभाग प्रमुख, शाखा प्रमुख, विशेषकर महिला पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

मोदी का खोखला ऐलान

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, मोदी ने जनसभाओं में बड़े-बड़े ऐलान किए थे। उन्होंने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। हालाँकि, कुछ ही दिनों में नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार इसे भूल गए। देशवासियों की भावनाओं का लिहाज किए बिना, मोदी सरकार ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच की अनुमति दे दी। शिवसेना ने मोदी को उनके वादों की याद दिलाने के लिए आंदोलन का आह्वान किया।

मुंबई पोर्ट पर 'बड़ी साजिश' का पर्दाफाश!

मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबईपोर्ट पर डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) ने शनिवार को एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम देकर पाकिस्तान से जुड़ी एक साजिश को नाकाम कर दिया. सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान से गलत दस्तावेजों के जरिए भारत में दाखिल हुए 28 कंटेनरों को रोककर जब्त कर लिया गया. इन कंटेनरों में करीब 12 करोड़ रुपए मूल्य का कॉस्मेटिक सामान पाया गया, जो आधिकारिक तौर पर भारत में एंट्री लेने की अनुमति नहीं रखता था.

गौरतलब है कि भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ सभी तरह का व्यापार पूरी तरह से बंद कर दिया था. इसके बावजूद मुंबई तक पहुंचे इन कंटेनरों ने जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह माल सीधे पाकिस्तान से नहीं आया बल्कि अन्य देशों के जरिए 'ट्रांजिट रूट' का इस्तेमाल कर भारत तक पहुंचा. इस खेल में गलत दस्तावेजों का सहारा लिया गया, जिससे पहली नजर में यह माल वैध दिखे.

DRI की टीम ने ऑपरेशन के दौरान 28 कंटेनरों को रोका, जिनमें से सभी में पाकिस्तान से भेजा गया कॉस्मेटिक सामान भरा था. जांच में यह भी सामने आया है कि दस्तावेजों में माल का स्रोत बदलकर दिखाया गया था, ताकि उसे आसानी से कस्टम क्लियरेंस मिल सके.

अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की तस्करी न सिर्फ आर्थिक अपराध है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है.

अनोखे तरीके से मनाया हिंदी दिवस और इंजीनियर दिवस

ठाणे. ठाणे में शिवशांति प्रतिष्ठान द्वारा रविवार, 14 सितंबर को अनोखे तरीके से हिंदी दिवस और इंजीनियर दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संस्था ने सामाजिक जागरूकता के उद्देश्य से वृक्षारोपण का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हिंदी भाषा के महत्व को उजागर करना था, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी विकास की दिशा में समाज की भागीदारी को भी प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए इंजीनियर, शिक्षक, विद्यार्थी, अधिवक्ता और समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कई पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने हिंदी भाषा की समृद्धि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण में इंजीनियरों की भूमिका और पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला।

शिवशांति प्रतिष्ठान के संस्थापक एड विनय कुमार सिंह ने बताया कि भाषा, विज्ञान और प्रकृति, तीनों का संतुलन समाज के विकास में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान दें।

इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी सुनील पांडे, लक्ष्मी मौर्या, गोपाल ठाकुर, सिविल इंजीनियर सोनू मल्लाह, प्रियांका आरकडे, हर्ष सिंह, अधिवक्ता शिक्षा संस्कार, रंजीत सिंह, राम यादव और अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

विधायक संजय केलकर की भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को सलाह

ठाणे. मनपा में भर्ती का लाभ उठाएँ और नियमित अध्ययन करें तो सफलता अवश्य मिलेगी ठाणे मनपा में स्थायी रूप से सेवा करने का अवसर मिलेगा, विधायक संजय केलकर ने ठाणे मनपा की भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों में विश्वास जगाते हुए कहा।विधायक संजय केलकर और विधायक निरंजन डावखरे की संकल्पना पर आधारित, महाराष्ट्र श्रमिक संघ द्वारा द यूनिक अकादमी के माध्यम से ठाणे मनपा की नौकरी भर्ती में रुचि रखने वाले अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान केलकर अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करते हुए बोल रहे थे। विधायक केलकर ने आगे कहा, हम न केवल श्रमिकों की मांगों को आगे बढ़ाते हैं और उन्हें प्राप्त करते हैं, बल्कि नौकरी भर्ती में अभ्यर्थियों का उचित मार्गदर्शन करके उन्हें सफलता का मार्ग भी दिखाते हैं। हम 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए अभ्यास परीक्षाएँ आयोजित करते हैं। इसमें 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र कहते हैं हमने दिन-रात पढ़ाई नहीं की, बल्कि सही समय पर पढ़ाई पर ज़ोर दिया। छात्रों को अनुभव होता है कि उन्होंने नियमित रूप से अध्ययन किया है, अभ्यास परीक्षाओं, मार्गदर्शन शिविरों का लाभ उठाया है और सफलता प्राप्त की है। अनुराधा मंगल कार्यालय, नूरीबाबा दरगाह रोड, ठाणे में आयोजित शिविर में मनपा के 400 से अधिक संविदा कर्मचारी और बेरोजगार युवा उम्मीदवार उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित विधायक एडवोकेट निरंजन डावखरे ने भी उम्मीदवारों को उचित मार्गदर्शन दिया। यूनिक अकादमी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि इस संस्था का मार्गदर्शन और प्रशिक्षण लाभकारी होगा ताकि मनपा भर्ती में संविदा कर्मचारियों या अन्य बेरोजगार युवा उम्मीदवारों के बीच कोई भ्रम न रहे, और उन्होंने उम्मीदवारों को शुभकामनाएं दीं। महाराष्ट्र श्रमिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कदम ने भी कहा कि हम हमेशा से ही श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई में सफल रहे हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि हम ठेका श्रमिकों और शिक्षित बेरोजगार युवा उम्मीदवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

आचार्य देवव्रत बने नए राज्यपाल

राष्ट्रपति ने सौंपा अतिरिक्त प्रभार

सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया. इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा. आईएएनएस के अनुसार, राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय कुमार सिंह ने 11 सितंबर को आधिकारिक आदेश जारी किया. प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह नियुक्ति उनके वर्तमान कर्तव्यों के अतिरिक्त महाराष्ट्र के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए की गई है.

मुंबई. गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. यह जिम्मेदारी सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद मिली है. आचार्य देवव्रत अपनी पत्नी दर्शना देवी के साथ 14 सितंबर सुबह अहमदाबाद से तेजस एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर मुंबई के लिए रवाना हुए. उन्हें सोमवार, 15 सितंबर को सुबह 11 बजे मुंबई के राजभवन में शपथ दिलाई जाएगी.

महाराष्ट्र के राज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी यात्रा से जुड़ी फोटो और वीडियो शेयर किए. इसमें आचार्य देवव्रत और उनकी पत्नी तेजस एक्सप्रेस में सफर करते दिखाई दे रहे हैं. फोटो के कैप्शन में लिखा गया, 'गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, जिन्हें महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, रविवार सुबह तेजस एक्सप्रेस से अहमदाबाद से मुंबई के लिए रवाना हुए.'

मच्छी मार्केट में बासी मछली और सड़ा मांस बेचने जाने का आरोप

- सड़ा और बासी मांस बेचने वालों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग

भिवंडी. प्रहार जनशक्ति पार्टी अध्यक्ष भरत भोईर ने भिवंडी महानगरपालिका आयुक्त अनमोल सागर को एक लिखितपत्र भेज कर आरोप लगाया है कि भिवंडी शहर में भिवंडी महानगरपालिका के मनपा प्रभाग क्रमांक 5 के अंतर्गत पुलिस चौकी के पास मुख्य बाजार क्षेत्र में मछली बाजार में कुछ विक्रेता बासी मछली का मांस बेच कर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं. उन्होंने भिवंडी मनपा आयुक्त से संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है.

मनपा आयुक्त को दिए निवेदन में भोईर ने बताया कि शहर के मुख्य मछली और मटन बाज़ार में कुछ विक्रेता आर्थिक लाभ के लिए कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल करके बॉम्बिल और वाम जैसी मछलियाँ बेचकर ग्राहकों को ठग रहे हैं. उन्होंने यह भी बताया कि तीनबत्ती के चिकन विक्रेता चाइनीज गाड़ी लगाने वाले विक्रेताओं को 30 से 40 रुपये प्रति किलो की दर से सड़ा हुआ चिकन बेच रहे हैं, जिससे नागरिक बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं. विक्रेताओं द्वारा मांस-मछली धोने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पानी सार्वजनिक स्थानों पर सड़कों पर फेंका जा रहा है, जिससे आने जाने वाले नागरिकों का बदबू से स्वास्थ्य खतरे में पड़ रहा है. बासी और घटिया मछली-मांस बेचने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए. मछली बाज़ार क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के उपाय किए जाने चाहिए. भरत भोईर ने अनुरोध किया है कि घटिया मांस-मछली बेचने वाले विक्रेताओं के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए.

बरेली स्थित दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग

बरेली में बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर के बाहर गोलियां चलाई गईं। पुलिस के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने तीन-चार राउंड फायरिंग की। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने गोलीबारी करने वाले अज्ञात हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। ज़िम्मेदारों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पांच अलग-अलग टीमें बनाई हैं। पुलिस ने दिशा पाटनी के घर की सुरक्षा बढ़ा दी है। हमला किसने करवाया इसके बारे में अभी जानकारी नहीं है लेकिन एक फेसबुक पोस्ट वायरल हो रही है जिसमें गैंगस्टर रोहित गोदारा ने अभिनेत्री के घर पर हुई गोलीबारी की ज़िम्मेदारी ली है। हालांकि, पोस्ट की पुष्टि नहीं हुई है और बरेली पुलिस इसकी जांच कर रही है।

क्यों हुआ एक्ट्रेस के घर पर हमला?

हिंदी में लिखे गए इस पोस्ट में सीधे तौर पर दो लोगों का नाम लिया गया है जिसमें वीरेंद्र चरण और महेंद्र सरन का नाम शामिल है। इसी के साथ फिल्म इंडस्ट्री को चेतावनी जारी की गई है।

यह हंगामा दिशा की बहन खुशबू पाटनी की एक पोस्ट से जुड़ा हो सकता है, जिसमें उन्होंने धार्मिक गुरु अनिरुद्धाचार्य महाराज की लिव-इन रिलेशनशिप पर की गई टिप्पणी की आलोचना की थी। हालांकि, कई ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं ने गलती से समझ लिया कि उनकी टिप्पणी प्रेमानंद जी महाराज के लिए थी, जिससे भ्रम और आक्रोश फैल गया।

आम सूचना

मैं श्री अनिल दशरथ रौराले सभी को सूचित कर रहा हूं कि सम्राट अशोक नगर, बैरक नं. 1014 के पास, सेक्शन 23, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 38बीओ007538300) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रविण वसंत घनबहादुर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 19.5.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अनिल दशरथ रौराले

आम सूचना

मैं श्री रमेशचंद्रा लालूराम पाल सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 5, नेहरू नगर, बैरक नं. 1967 के सामने, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 57डीओ019277200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पुष्पा ए. चौरसिया नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 12.9.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रमेशचंद्रा लालूराम पाल

आम सूचना

मैं मोहम्मद आरिफ मोहम्मद सज्जाक अंसारी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 1861 के सामने, वीर तानाजी नगर, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 58डीओ012185400) उक्त प्रॉपर्टी श्री विक्रम सिंह अर्जुनसिंह लबाना व श्री सतवानसिंह अर्जुनसिंह लबाना नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 5.8.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मोहम्मद आरिफ मोहम्मद सज्जाक अंसारी

आम सूचना

मैं श्री संदीप सुभाषचंद्र गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि हनुमान मंदिर के पास, दुर्गा नगर, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ009202700) उक्त प्रॉपर्टी श्री भालचंद्र सुधाकर सोनार नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 19.8.2025 सी.नं. 244 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संदीप सुभाषचंद्र गुप्ता

आम सूचना

मैं मिस माला रमेशलाल वासवानी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. जी-2, ग्राऊंड फ्लोर, नालंदा पैलेस, राजलक्ष्मी सोसायटी के पीछे, बैरक नं. ए-46 के पास, गोल मैदान, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 12बीआय015428500) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनिष रमेशलाल वासवानी व मिस रेश्मा रमेशलाल वासवानी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 13.9.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मिस माला रमेशलाल वासवानी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099